पंजाब केसरी 11/01/2025

हिन्दी भाषा को वैश्विक स्तर पर सीखने की कोशिश एक गौरवपूर्ण एहसास है : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 10 जनवरी (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के हिन्दी विभाग एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें चीन के क्वांगतोंग विदेशी भाषा विश्वविद्यालय से जुड़े मुख्य वक्ता प्रो. विवेक मणि त्रिपाठी ने चीन में हिन्दी की स्थिति को रेखांकित किया।

कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी का महत्व वैज्ञानिक समुदाय के लिए भी बहुत अधिक है, खासकर पुराने साहित्य को समझने के लिए यह अति महत्वपूर्ण है। हिन्दी में लिखी गई पुरानी पुस्तकें और ग्रंथ हमें स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, जीवनशैली और अन्य विषयों पर बहुत कुछ सिखा सकते हैं। आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के बारे में जानकारी हिन्दी एवं संस्कृत में लिखी गई पुस्तकों में मिलती है। इन पुस्तकों में वर्णित ज्ञान हमें स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

मुख्य वक्ता प्रो. विवेक मणि त्रिपाठी ने चीन के मानचित्र पर वहां पर विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक के हिन्दी प्रयोग को मौखिक दस्तावेज द्वारा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि चीन और हिन्दी का अंतर-संबंध अत्यधिक प्राचीन है। चीन में हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रही हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. पुष्पा रानी ने बताया कि हिन्दी आज प्रत्येक कंठ का गौरव है। प्रवासियों ने हिंदी के सौरभ को विदेश में अपने लेखन के माध्यम से सुवासित किया है।

कार्यक्रम संयोजक डा. राजेंद्र देशवाल ने बताया कि संगोष्ठी का उद्देश्य हिन्दी की वैश्विक स्थिति को स्पष्ट करना है। शोधार्थी एवं विद्यार्थी जिसे अपने शोध प्रबंध में संदर्भ के रूप में प्रयोग कर सकते हैं। विभागाध्यक्ष डा. रितु गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि हिन्दी विश्वगुरु बन रहे भारत का मुकुट बनेगी। डा. अनीश ने बताया कि हिन्दी भारत का गौरव एवं पूरा दर्शन है।

संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान में भाग लेते वक्ता। (देवदत्त)